1. नैतिक स्वतन्त्रता तथा उत्तरदायित्व की सम्भावना के लिए किस प्रकार के विश्व की आवश्यकता है?

1. विश्व को कठोर रूप में निर्धारित होना चाहिए।
2. विश्व में अव्यवस्था होनी चाहिए।
3. विश्व में उच्च सीमा की एकरूपता होनी चाहिए।
4. विश्व में पर्याप्त शिथिलता होनी चाहिए।

कूट

(a) 2, 3 और 4 (b) 2 और 3
(c) 2 और 4 (d) 3 और 4

2. कथन (A) काण्ट का नीतिशास्त्र आकारिक है।

कारण (R) काण्ट संवेदना की भूमिका को नहीं स्वीकार करता।

कूट

(a) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(b) A और R दोनों सही हैं, परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A सही है, किन्तु R गलत है
(d) A गलत है, किन्तु R सही है

3. निम्नलिखित में से किस नैतिक सिद्धान्त में शुभ के ऊपर उचित को प्राथमिकता स्वीकार्य है?

(a) परिणाम-सापेक्षवाद (b) परिणामवादी
(c) परिणाम-निरपेक्षवादी (d) सुखवादी

4. कौन मानता है कि कार्य की नैतिकता का निर्धारण प्रेरणा है?

(a) बेन्थम (b) मिल
(c) काण्ट (d) स्पेन्सर

5. ह्यूम सन्देहवादी हैं, क्योंकि वे

(a) ईश्वर में विश्वास नहीं करते
(b) आत्मा में विश्वास नहीं करते
(c) भौतिक तत्त्व में विश्वास नहीं करते
(d) अनिवार्य एवं सार्वभौम ज्ञान में विश्वास नहीं करते

6. काण्ट के अनुसार हमें नैतिक होना चाहिए, क्योंकि

(a) यह उपयोगी है (b) यह ईश्वर का आदेश है
(c) यह सुखदायक है (d) यह हमारा कर्तव्य है

7. ईश्वर की सत्ता को सिद्ध करने के लिए दिए गए तर्कों के काण्ट द्वारा किए गए खण्डन में जो तर्क सम्मिलित नहीं है, वह है

(a) प्रत्यय-सत्तामूलक तर्क (b) सृष्टिमूलक तर्क
(c) प्रयोजनमूलक तर्क (d) नैतिक तर्क

8. काण्ट के अनुसार अतीन्द्रिय भ्रम

(a) समझा जा सकता है तथा समाप्त किया जा सकता है
(b) समझा नहीं जा सकता, किन्तु समाप्त किया जा सकता है
(c) न तो समझा जा सकता है और न समाप्त किया जा सकता है

Paper — 12 Philosophy Core / Gen

(1) किसने कहा कि – 'नीतिशास्त्र उन मानकों की व्याख्या प्रस्तुत करता है, जिनसे हम व्यक्ति के कर्मों के उचित और अनुचित होने का निर्णय देते हैं?
(a) मैकेन्जी (b) जेम्स (c) लिलि (d) सेठ

(2) नैतिकता के लिए आवश्यक है :-
(a) मानव स्वतंत्रता (b) अपराध मनोविज्ञान (c) भाग्यवाद (d) इनमें कोई भी

(3) शुभ साध्य है और — साधन है;
(a) उचित (b) मूल्य (c) स्वतंत्रता (d) इनमें से कोई नहीं;

(4) संकल्प स्वातंत्र्य का अर्थ है –
(a) स्वतंत्र संकल्प (b) नियतत्ववाद (c) दोनों (d) कोई नहीं

(5) यह सूत्र किसने दिया – 'व्यक्ति बनो'
(a) हेगेल (b) मार्क्स (c) देकार्त (d) लॉक

(6) मिल का उपयोगितावाद है
(a) परार्थवाद (b) स्वार्थवाद (c) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

(7) कर्तव्य और दायित्व में संबंध है –
(a) अविभाज्य (b) विभाज्य (c) दोनों (d) कोई भी

(8) इनमें से कौन नैतिकता की प्राथमिक मान्यता नहीं है :-
(a) बुद्धि (b) व्यक्तित्व (c) इच्छा स्वतंत्रता (d) आत्मा की अमरता

Paper — (14)

(1) अद्वैत वेदान्त का अर्थ है – (a) एक नहीं (b) दो नहीं (c) तीन नहीं (d) इनमें से कोई भी
(2) अद्वैत वेदान्त के प्रवर्तक हैं
(a) शंकर (b) रामानुज (c) माधव (d) निम्बार्क
(3) ब्रह्म है –
(a) अनेक (b) अचेतन (c) अनिर्वचनीय (d) इनमें से कोई भी
(4) ब्रह्म का तटस्थ लक्षण कहलाता है :-
(a) माया (b) ईश्वर (c) आत्मा (d) इनमें से कोई नहीं
(5) चेतना आत्मा का आगंतुक गुण है – स्वीकार किया गया है :-
(a) वेदान्त द्वारा (b) मीमांसा द्वारा (c) न्याय द्वारा (d) सांख्य द्वारा

PHILOSOPHY CORE
PAPER- 13

1. "सम्पूर्ण सम्पदा ईश्वर की है और जिन लोगों के पास है वे न्यासी है, स्वामी नहीं" यह कथन किसका है?

a) अम्बेडकर (b) गाँधी

c) टैगोर (d) इनमें से कोई नहीं

2. 'समग्र योग' का समर्थक है

a) जे कृष्णमूर्ति (b) विवेकानन्द (c) एम एन राय (d) श्री अरबिन्द (d) श्री अरबिन्द

3. 'एन आइडियलिस्ट व्यू ऑफ लाइफ' नाम की पुस्तक के लेखक है।

(a) राधाकृष्णन (b) जे कृष्णामूर्ति

(c) टैगोर (d) के सी भट्टाचार्य

4 सुमेलित कीजिए

सूची I	सूची II
A श्री अरबिन्द	1 सीक्रेट्स ऑफ द सेल्फ
B टैगोर	2 एब्सोल्यूट एण्ड द ऑल्टरनेटिव फार्म्स
C के सी भट्टाचार्य	3 साधना
D इकबाल	4 लाइफ डिवाइन

कूट

	A	B	C	D
(a)	4	3	2	1
(b)	4	3	1	2
(c)	3	4	1	2
(d)	1	2	3	4

5. इकबाल मानते हैं कि आत्मा अमर होती है क्योंकि

(a) वह जन्म और पुनर्जन्म लेती है।
(b) वह जन्म लेने से पूर्व मानव शरीर में विद्यमान होती है
(c) वह मृत्यु के बाद बनी रहती है और अमर है।
(d) वह निश्चित स्थान और समय पर जन्म लेती है

6. " अन्तः प्रज्ञा सत्ता को जानने का तरीका है" यह किसका विचार है

(a) कृष्णमूर्ति (b) के सी भट्टाचार्य
(c) राधाकृष्णन (d) इकबाल

7. अम्बेडकर के लिए तीन मन्त्र निम्नलिखित में से कौन-से हैं

(a) जाति, वर्ण और कर्म (b) कर्म, भाग्य और पुनर्जन्म
(c) शिक्षित करो, संगठित करो और आन्दोलन करो (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

8. 'मानव-निर्माण शिक्षा' की हिमायत किसने की है?

(a) गाँधी तथा विवेकानन्द (b) विवेकानन्द तथा श्री अरबिन्द
(C) गाँधी तथा अम्बेडकर (d) केवल विवेकानन्द

9. 'उठो, जागो एवं लक्ष्य से पहले न रुको प्रेरक पंक्ति में रचनाकार हैं

(a) स्वामी विवेकानन्द (b) टैगोर
(C) गाँधीजी (d) भट्टाचार्य

10. निम्नलिखित में से किसके दार्शनिक चिन्तन का लक्ष्य इस्लाम के सत्यों की अर्थ-संरचना दर्शनिक रूप में करना है?

(a) टैगोर (b) इकबाल
(c) स्वामी विवेकानन्द (d) कृष्णमूर्ति